

उत्तर प्रदेश ने सूरत के कपड़ा उद्योग को निवेश के लिए किया आमंत्रित

**कपड़ा विनिर्माण में सूरत की तकनीक और यूपी के औद्योगिक आधार का बनेगा तालमेल;
इन्वेस्ट यूपी ने कपड़ा उद्योग के दिग्गजों से किया संवाद**

इन्वेस्ट यूपी ने मंत्रा के स्थापना दिवस समारोह में उद्योग जगत से किया संवाद, तकनीकी साझेदारी और उन्नत वस्त्र विनिर्माण पर जोर

सूरत/लखनऊ, 11 अक्टूबर: उत्तर प्रदेश में कपड़ा विनिर्माण को बढ़ावा देने और नए निवेश आकर्षित करने के लिए इन्वेस्ट यूपी ने गुजरात के सूरत में प्रमुख कपड़ा उद्योगपतियों से संवाद किया। मैन-मेड टेक्सटाइल्स रिसर्च एसोसिएशन (एमएएनटीआरए) के स्थापना दिवस समारोह के दौरान टीम ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को उत्तर प्रदेश में निवेश करने और अपनी विनिर्माण इकाइयों का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर टीम ने केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर प्रदेश के कपड़ा उद्योग को मजबूत करने और लखनऊ-हरदोई में विकसित किए जा रहे -पीएम मित्र पार्क के विकास में सहयोग का अनुरोध किया।

उन्नत वस्त्र विनिर्माण और तकनीकी साझेदारी पर जोर

कार्यक्रम में तकनीकी वस्त्र, स्मार्ट टेक्सटाइल और रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले विशेष वस्त्रों जैसे उच्च मूल्यवर्धित क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। साथ ही, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाने, नई तकनीकों को उत्पादन से जोड़ने तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने पर विचार किया गया।

मानव निर्मित रेशों और कपड़ों के प्रमुख केंद्र सूरत की तकनीकी विशेषज्ञता तथा उत्तर प्रदेश के विशाल व तेज़ी से बढ़ते औद्योगिक आधार का यह तालमेल देश की घरेलू आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने के साथ नए व्यावसायिक अवसरों का सृजन करेगा।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने स्वदेशी वस्त्र मशीनरी विनिर्माण को बढ़ावा देने, आधुनिक तकनीक के उन्नयन और अनुसंधान एवं विकास के व्यापक विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वस्त्र क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करने और 'मेक इन इंडिया' को नई गति देने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और उद्योग जगत के बीच बेहतर और निरंतर समन्वय समय की माँग है।

इन्वेस्ट यूपी के उप महाप्रबंधक (टेक्सटाइल) मनीष गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के कुशल कार्यबल, औद्योगिक भूमि, स्थापित कपड़ा क्लस्टर, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेशक-अनुकूल व्यवस्था को प्रमुख खूबियों के रूप में प्रस्तुत किया। राज्य सरकार विभिन्न क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों, प्रोत्साहनों और निवेश सुविधा तंत्र के माध्यम से उद्योगों को इकाइयां स्थापित करने तथा विस्तार करने में सहयोग दे रही है।
